www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 15 || लखनऊ
बुधवार
15 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:44
सूर्यास्तः 06:30
अधिकतमः 39°00
न्यूनतमः 24°00

पेज 03

विशेष समाचार मध्य-पूर्व गतिरोध : वैश्विक कूट... >> पेज 02 | उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेगा... >> पेज 04 | लता मंगेशकर आशा भोसले की...

फास्ट न्यूज

कॉन्सर्ट में ड्रग ओवरडोज से 2 मौत

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव में एक इवेंट में ड्रग के ओवरडोज से 2 लोगों की मौत हो गई। घटना नेस्को सेंटर की है, जहां 11 अप्रैल की रात एक म्यूजिक कॉन्सर्ट था। मरने वाले युवक और युवती MBA स्टूडेंट्स हैं। अभी यह साफ नहीं हो सका है कि मरने वालों ने कौन सा नशीला पदार्थ लिया था।

झड़प पथराव

नोएडा में दूसरे दिन भी बवाल, पुलिस से 15 कंपनियों की फोर्स

गौतमबुद्धनगर (नोएडा)। नोएडा, यानी गौतमबुद्ध नगर में सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर फैक्ट्री कर्मचारी मंगलवार को भी सड़कों पर उतर आए। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो झड़प हो गई। भीड़ ने 2–3 जगहों पर पुलिस की गाड़ियों पर पथराव किया। हालांकि पुलिस ने थोड़ी देर में ही हालात पर काबू पा लिया। प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया। फिलहाल, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों के जवान इंडस्ट्रियल इलाकों में सुबह 5 बजे से फ्लैग मार्च कर रहे हैं। CCTV और ड्रोन से निगरानी की जा रही है। इसके अलावा, पीएसी और RAF की 15 कंपनियां, 26 अफसर (8 एडिशनल एसपी और 18 डीएसपी) नोएडा भेजे गए हैं। आज ज्यादातर कंपनियां बंद हैं।

कोलकाता में बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं में मारपीट

कोलकाता/चेन्नई। मंगलवार को चुनाव प्रचार के कोलकाता के धापा इलाके में बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। विवाद तेज आवाज में गाने बजाने को लेकर शुरू हुआ था। दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट होने लगी। केंद्रीय बल और स्थानीय पुलिस ने हालात को काबू किया।

योगी बोले सहारनपुर के लड़कों को बाहर नहीं जाना होगा बांटने वाले विकास नहीं कर सकते

‘नोएडा में फिल्म सिटी बन रही’

रोड शो

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। ‘यहां से दिल्ली हो या देहरादून, अब यात्रा सिर्फ ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। यह कॉरिडोर पश्चिमी यूपी के लिए “गुड वर्क” साबित होगा। शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ और बागपत जैसे पश्चिमी यूपी के जिलों में बनने वाले उत्पादों को नई पहचान मिलेगी।’

यह बात सीएम योगी ने मंगलवार को सहारनपुर में कही। वह यहां दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन के मौके पर पहुंचे थे। इसका 135 किलोमीटर का हिस्सा यूपी से होकर गुजरता है। पीएम मोदी को इस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करने के लिए देहरादून जाना था। इससे पहले मोदी ने सहारनपुर पहुंचकर रोड शो किया। मां डाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना की। हेलिकॉप्टर से वाइल्डलाइफ कॉरिडोर देखा। इस दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे।

देश को नेशनल हाईवे मिला, यह डबल इंजन सरकार

सीएम योगी ने कहा- बाबा साहेब की आज 135वी जयंती है। इस अवसर पर देश को नेशनल हाईवे मिला है। यह डबल इंजन सरकार की ताकत है। सीएम योगी ने कहा- सहारनपुर से दिल्ली हो या देहरादून, अब यह दूरी मात्र ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। >> (शेष04 पर)

समाज को बांटने वाले विकास नहीं कर सकते

योगी ने कहा- जो लोग जाति और परिवार के नाम पर समाज को बांटते हैं, वे कभी विकास नहीं कर सकते। जिन्होंने माफियाओं को प्रश्रय दिया, दंगों को बढ़ावा दिया और प्रदेश की पहचान को संकट में डाला, उनसे विकास और रोजगार की उम्मीद करना अपने आप में एक सपना है। मुख्यमंत्री ने कहा- यह सब तभी संभव हुआ है, जब प्रदेश को एक सक्षम और प्रभावी नेतृत्व मिला। आज पीएम मोदी के नेतृत्व में यह सब साकार हो रहा है।

सहारनपुर में योगी ने कहा- बाबा साहेब की आज 135वीं जयंती है। उन्होंने संविधान के जरिए देश के हर नागरिक सामान अधिकार दिया। हमारी सरकार बाबा साहेब, रविदास महाराज, महर्षि बाल्मिकि जैसे महापुरुषों की मूर्तियों पर छत्र लगवाएगी। आज यूपी रोजगार, सुरक्षा और इन्वेस्टमेंट का एक नया केंद्र बनकर उभरा है। यह डबल इंजन सरकार की ताकत है। योगी ने कहा अब सहारनपुर में विश्वविद्यालय मां शांकभरी देवी के नाम से बन गया है। अगर सहारनपुर के किसी युवक को फिल्म में काम करना हो तो उसके लिए नोएडा में फिल्म सिटी बन रही है।

2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे : मोदी

पीएम ने एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया

भाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

देहरादून। पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, ‘4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे।

इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।’ पीएम ने कहा, 'कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं।' इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। वे एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण करने सहारनपुर पहुंचे। यहां रोड शो भी किया।

■ सहारनपुर में पीएम मोदी का रोड शो, डाट काली मंदिर में पूजा की

>> (शेष पेज04 पर)

लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने का रखा गया प्रस्ताव

एक और जरूरी बदलाव जनसंख्या की परिभाषा है

योजना

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण अधिनियम लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से 815 सीटें राज्यों के लिए और बाकी 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रस्तावित हैं। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। सरकार 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में 2029 से लोकसभा में 33% महिला आरक्षण लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार ने मंगलवार को संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 ड्राफ्ट सभी सांसदों को भेजे हैं। एक और जरूरी बदलाव जनसंख्या की परिभाषा है। इससे संसद को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए।

■ कपिल सिब्बल ने कहा- उत्तर भारत को ज्यादा फायदा होगा

>> (शेष पेज04 पर)

वचन : अम्बेडकर जयंती पर अखिलेश यादव ने दी श्रद्धांजलि, बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण

‘संविधान बचाने का लिया संकल्प’

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर राजधानी लखनऊ के हजरतगंज चौराहा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने भी बाबा साहब को पुष्प अर्पित कर नमन किया। अखिलेश यादव ने संविधान की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि यह सिर्फ कागजी दस्तावेज नहीं, बल्कि “लोहे की तलवार” है, जो देश के नागरिकों की रक्षा करती है। उन्होंने कहा कि संविधान हर व्यक्ति को समान अवसर और न्याय प्रदान करता है, इसलिए इसे बचाना सभी की जिम्मेदारी है।

मायावती ने अपने आवास पर बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ में सुबह 8 बजे बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने आवास पर बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अंबेडकर की तस्वीर पर फूल चढ़ाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर संदेश में लिखा विशाल आबादी वाले भारत में बहुजन समाज के मसीहा भारतरत्न बीआर अंबेडकर बहुजन के मसीहा थे। बाबा साहेब के संविधान को लागू करने में सत्ताधारी पार्टियां पूरी तरह नाकाम रहीं, वरना देश आज स्वावलंबी और विकसित बन चुका होता।

सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष जारी रहेगा

इस मौके पर अखिलेश यादव ने कहा कि बाबा साहब ने हजारों वर्षों के शोषण के खिलाफ सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और देश को संविधान के रूप में एक मजबूत आधार दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी लोग सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए लगातार संघर्ष करते रहेंगे, चाहे इसमें वर्षों लगें या सदियां।

कार्यक्रम में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री, विधायक, पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।

बिहार के नए 'चौधरी' होंगे सम्राट

राजभवन में सरकार बनाने का दावा पेश, आज लेंगे शपथ

चयन

“बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सम्राट चौधरी को मिठाई खिलाकर बधाई दी। उन्होंने कहा, 'आज का दिन विशेष है और बिहार में जिस प्रकार से नीतीश कुमार ने बिहार के विकास में कई आयाम जोड़े पिछले 20 सालों में अब उस आयाम को नए मुकाम तक पहुंचाने का काम सम्राट चौधरी को मिला है।'

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। सम्राट चौधरी बिहार के नए CM होंगे। उन्हें पहले बीजेपी फिर NDA विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। सम्राट राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मिलकर उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया।

कल 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। इसके साथ ही बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री होगा।

विधानसभा के सेंट्रल हॉल में NDA की बैठक में नीतीश सम्राट के प्रस्तावक बने। नीतीश ने उन्हें माला पहनाई। विधायकों से ताली बजवाई। सम्राट ने भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया।

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने कहा, 'मैंने नीतीश जी से राजनीति सीखी है। उनके साथ मैंने काम किया है। उनके समृद्ध बिहार को और आगे ले जाना है।

आज नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा।

>> (शेष पेज04 पर)

सम्राट बोले- नीतीश कुमार ने बहुत कुछ सिखाया है

भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने पर सम्राट चौधरी ने कहा,'भाजपा ने मुझे काम करने का मौका दिया, मैं ये कह सकता हूं एक राजनीतिक तौर से मैं करीब 30 साल से काम कर रहा हूं।

पहले कोई विचारधारा नहीं थी मैं इस पार्टी में जब पीएम मोदी के विचारों से इस पार्टी के साथ जुड़ा, 2015 के चुनाव से लगातार मैं भाजपा के लिए काम करता रहा। जिस तरह से कभी पार्टी के प्रदेश में पदाधिकारी के तौर पर विधानमंडल दल में, विधानपरिषद के नेता के तौर पर और संगठन में काम करने का जो सर्वोच्च पद है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर काम करने का मौका दिया। आज मैं पीएम मोदी, गृह मंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, शिवराज सिंह चौहान जी के जो विचारधारा है भाजपा की जो विचारधारा है। >> (शेष पेज04 पर)

- नीतीश के इस्तीफे से पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। उनके साथ सम्राट चौधरी और बीजेपी के कई सीनियर लीडर्स भी थे।
- आज नीतीश कैबिनेट की आखिरी बैठक हुई। जहां नीतीश ने कहा - ‘2005 में मैं सरकार में आया, जहां तक मुझसे हो सका मैंने किया, नई सरकार को मेरा मार्गदर्शन मिलता रहेगा।’

अखिलेश यादव बोले- नीतीश की जगह कोई नहीं ले सकता है

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सम्राट चौधरी नए मुख्यमंत्री बने हैं तो हम सब उन्हें बधाई दे सकते हैं, लेकिन नीतीश कुमार जी की जगह कोई नहीं ले सकता है।

उनकी छवि अलग थी। आम लोगों के प्रति खासकर पिछड़े, अति पिछड़े, दलित और महादलित तमाम समाज के लोगों के बीच में उनकी एक अलग छवि थी। नीतीश कुमार बिहार में बहुत काम किया है। INDIA गठबंधन बनने की बात आई तो INDIA गठबंधन के सभी लोग, खासकर हम समाजवादी लोग इस उम्मीद में थे कि वो हमारे साथ रहकर देश के पीएम बनेंगे, लेकिन बीजेपी का खेल दिखिए, अब वह पीएम नहीं बन पाएंगे। राज्यसभा के एक सांसद बनकर वो रिटायर्ड हो जाएंगे।

■ राज्यपाल सैयद अता हसनैन को अपना इस्तीफा सौंपते नीतीश कुमार।

■ सरकारी आवास पर डिप्टी सीएम का पद हटाया गया

नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा किसी भी पद से बड़ी है

भाजपा विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि सम्राट चौधरी को बहुत शुभकामनाएं। आज बिहार के लिए बहुत बड़ा दिन है और बहुत बड़ा परिवर्तन भी देखने को मिल रहा है। नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा किसी भी पद से बड़ी है। वे जंगलराज से सुशासन राज तक बिहार को लाए हैं। उन्हें बिहार बहुत सम्मान देता है।

जेडीयू विधायक कोमल सिंह ने कहा कि हमारे नेता नीतीश कुमार ने बिहार को आगे ले जाने का काम किया है। आज बिहार जहां है, वह नीतीश कुमार के कारण है। हमारे नेता ने जिनपर विश्वास जताया है, उनपर हमें विश्वास है।

अमेरिका बातचीत नहीं शर्तें थोपना चाहता है : ईरान

उनकी नीयत पर शक, पीस डील पर गुरुवार को दोनों देशों की मीटिंग संभव

■ ईरान ने होर्मुज में मिसाइल दागते हुए वीडियो शेयर किया कहा- पिक्चर अभी बाकी चीन बोला- दुनिया जंगल के कानून से नहीं चलनी चाहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान और अमेरिका के बीच होर्मुज स्ट्रेट में नाकाबंदी को लेकर तनाव बढ़ गया है। मुंबई स्थित ईरानी कॉन्सुलेट ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में ईरान होर्मुज में मौजूद जहाजों पर मिसाइल दाग रहा है और कैप्शन में लिखा है कि 'अभी तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।' इसके साथ ईरान ने अपनी मिसाइल बोट्स की ताकत भी दिखाई। दरअसल अमेरिका ने कल होर्मुज स्ट्रेट में उन जहाजों की नाकाबंदी शुरू कर दी है जो ईरान को टोल दे रहे हैं। >> (शेष पेज04 पर)

अमेरिका बोला- होर्मुज की नाकाबंदी के लिए 10,000 सैनिक तैनात

अमेरिकी सेना ने दावा है कि होर्मुज स्ट्रेट में की गई नाकाबंदी के कारण 6 व्यापारी जहाज रास्ते से ही वापस लौट गए। अमेरिका के सेंट्रल कमांड के मुताबिक, नाकाबंदी के पहले 24 घंटों में कोई भी जहाज इस रास्ते को पार नहीं कर पाया। जो जहाज आगे बढ़ रहे थे, वे अमेरिकी सेना के आदेश पर वापस लौट गए।

छत्तीसगढ़- वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटा, 9 की मौत

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 9 मजदूरों की मौत हो गई है। SP प्रफुल्ल ठाकुर ने इसकी पुष्टि की है। 3 मजदूरों की मौत मौके पर ही हो गई थी। वहीं 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल लाया गया, जहां 6 मजदूरों ने दम तोड़ दिया है।

बाकी 12 घायलों की हालत गंभीर है। मजदूर 80% झुलस गए हैं। घटना डभरा थाना क्षेत्र की है। हादसे में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से झुलसे हैं। रायगढ़ के मेट्रो हॉस्पिटल में 3 का चल रहा इलाज। 2 मजदूरों को अपेक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। 6 घायलों को बिलासपुर रेफर किया गया है। हादसे के बाद प्लांट के बाहर मजदूरों के परिजनों ने हंगामा कर दिया। वे प्रबंधन पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग कर रहे हैं। कुछ मजदूर लापता हैं। परिजनों का कहना है कि प्रबंधन कोई जानकारी नहीं दे रहा है। वहीं कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं।

ट्रम्प ने पीएम मोदी को किया फोन, 40 मिनट बातचीत

दोनों ने कहा- होर्मुज स्ट्रेट का खुला रहना बहुत जरूरी

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। PM मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच करीब 40 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने ईरान जंग पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज खुला रहना चाहिए।

PM मोदी सोशल मीडिया पर लिखा- मुझे मेरे दोस्त राष्ट्रपति ट्रम्प का फोन आया। हमने दोनों देशों के बीच अलग-अलग क्षेत्रों में हुए काम और प्रगति पर बात की। हमने यह भी कहा कि आगे चलकर भारत और अमेरिका के रिश्ते को और मजबूत करेंगे। अमेरिका-ईरान सीजफायर के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली बातचीत थी। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बताया कि फोन कॉल के दौरान पीएम मोदी ने ट्रम्प से कहा, “भारत के लोग आपको पसंद करते हैं।”

■ अमेरिकी राजदूत बोले- भारत-यूएस में जल्द बड़ा समझौता

>> (शेष पेज04 पर)

सम्पादकीय

महिला आरक्षण की पहल

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर आपत्ति जताई जा रही है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है।

चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए कई विपक्षी दलों को यह रास नहीं रहा है। कई विपक्षी नेताओं की मानें तो बीती जनगणना के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने से कुछ राज्यों के राजनीतिक हितों की अनदेखी हो सकती है और लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। फिलहाल इस आशंका का कोई पुष्ट आधार नहीं। ध्यान रहे प्रधानमंत्री कई बार यह कह चुके हैं कि महिला आरक्षण के चलते सीटें बढ़ने से किसी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। ऐसे में अच्छा यह होगा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संशोधित प्रारूप सामने आने के बाद ही सवाल और संदेह खड़े किए जाएं। समस्या यह है कि मोदी सरकार कोई भी पहल करती है तो विपक्ष तत्काल उसकी नीयत पर सवाल खड़े करने लगता है। आलोचना-निंदा अनुमान और आशंका के आधार पर नहीं होनी चाहिए।

विपक्ष का यह कथन निराधार तो नहीं कि सरकार इस समय महिला आरक्षण लागू कराने वाली पहल से अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है, लेकिन आम तौर पर सरकारों और दलों के तो हर फैसले राजनीतिक हित ध्यान में रखकर ही लिए जाते हैं। यदि महिला आरक्षण को अगले लोकसभा चुनाव में लागू करने वाली पहल सफल होती है तो ऐसा विपक्ष के समर्थन से ही संभव होगा। स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का सपना साकार होने का श्रेय उनके खाते में भी जाएगा।

महिला आरक्षण से उन दलों को अवश्य समस्या हो सकती है, जिनका महिलाओं के बीच व्यापक जनाधार नहीं और जो उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के प्रति उदासीन रहते हैं। वैसे कोई भी दल महिला आरक्षण का विरोध करने का साहस नहीं कर सकता, क्योंकि अब महिलाएं एक बड़ा और सशक्त वोट बैंक हैं। निःसंदेह महिला आरक्षण से देश का राजनीतिक परिदृश्य और वातावरण बदलेगा, पर यह ध्यान रहे तो बेहतर कि इस आरक्षण मात्र से उनका सामाजिक रूप से उत्थान सुनिश्चित होने वाला नहीं है। इसके लिए सरकारों, राजनीतिक दलों और समाज को कुछ और भी करना होगा।

मध्य-पूर्व गतिरोध : वैश्विक कूटनीतिक बदलाव में छिपा है अमेरिका-ईरान वार्ता का भविष्य

> ईरान का यह भी कहना था कि वार्ता में प्रगति तभी संभव है जब अमेरिका "अच्छे विश्वास" का प्रदर्शन करे जिसमें आर्थिक प्रतिबंधों में राहत और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संसाधनों तक उसकी पहुँच बहाल करना शामिल है। ईरानी पक्ष के अनुसार, अमेरिकी शर्तें अत्यधिक कठोर और हस्तक्षेपकारी हैं जो समझौते की राह में बाधा बन रही हैं।

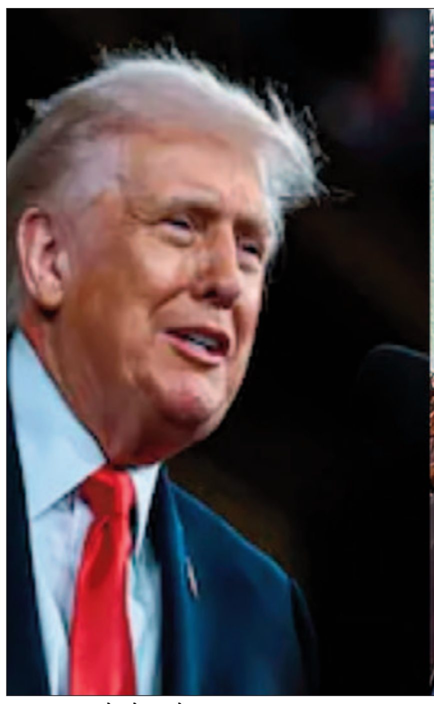

हाल ही में जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा के दौरान आयोजित "इस्लामाबाद वार्ता" एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक प्रयास के रूप में देखी जा रही थी जिसका उद्देश्य अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव को कम करना था लेकिन वह बेनतीजा समाप्त हो गया। दोनों पक्षों के कूटनीतिज्ञों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाया और अंत में पाकिस्तानी पहल की सराहना की। लगभग 21 घंटे चली चर्चाओं के बावजूद दोनों पक्ष किसी ठोस समझौते पर नहीं पहुँच सके। वेंस ने स्पष्ट किया कि अमेरिका ने अपनी "रेड लाइन" सामने रख दी हैं लेकिन ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इस वार्ता के बाद ईरानी पक्ष ने भी अमेरिका पर कई प्रकार के गंभीर आरोप लगाए हैं।

इस वार्ता में सबसे बड़ा विवाद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सामने आया। अमेरिका ने यह मांग दोहराई कि ईरान परमाणु हथियार विकसित न करने की स्पष्ट और ठोस गारंटी दे। दूसरी ओर, ईरान ने इस मांग को अस्वीकार करते हुए कहा कि वह पहले से ही इस बात पर कायम है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

यह गतिरोध पूरी तरह अप्रत्याशित भी नहीं कहा जा सकता है। बता दें कि 2015 में ईरान परमाणु समझौता 2015 (JCPOA) तक पहुँचने में लगभग दो वर्षों की लंबी और जटिल प्रक्रिया पूरी करनी पड़ी थी। तब जाकर ईरान समझौते के लिए माना था। उस समझौते के तहत ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम पर कई प्रतिबंध स्वीकार किए थे और अंतरराष्ट्रीय निरीक्षणों की अनुमति दी थी. बदले में उसे आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिली थी।

ईरान परमाणु अप्रसार संधि (NPT) का हस्ताक्षरकर्ता भी है जो उसे शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के उपयोग की अनुमति देता है, बशर्ते वह परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता निभाए और निरीक्षणों को स्वीकार करे। ईरान बार-बार यह दावा करता रहा है कि वह उस समझौते का पालन कर रहा है।

वार्ता में केवल परमाणु कार्यक्रम ही नहीं बल्कि क्षेत्रीय और सामरिक मुद्दे भी प्रमुख रहे। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरू-मध्य पर नियंत्रण और उसकी रणनीतिक भूमिका को लेकर मतभेद उभरकर सामने आए। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस पर किसी भी प्रकार का तनाव अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रभाव डालता रहा है।

इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की मेजबानी की दोनों पक्षों ने सराहना की। यह इस बात का संकेत देता है कि भले ही वार्ता में ठोस परिणाम न निकला हो, लेकिन संवाद का मंच बनाए रखना भी कूटनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू है। वर्तमान परिदृश्य में यह स्पष्ट है कि अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद गहरे और बहुस्तरीय हैं। परमाणु कार्यक्रम, आर्थिक प्रतिबंध, क्षेत्रीय प्रभाव और सुरक्षा चिंताएँ, ये सभी कारक किसी भी त्वरित समझौते को कठिन और जटिल बनाते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की वार्ताएँ अक्सर लंबी प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं, जहाँ प्रारंभिक दौर में गतिरोध सामान्य बात है। यदि दोनों पक्ष संवाद बनाए रखते हैं और चरणबद्ध तरीके से विश्वास बहाली के उपाय अपनाते हैं, तो भविष्य में किसी समझौते की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इस बैठक के बाद ईरानी कूटनीतिकों ने भारत, चीन और रूस को भी इस दिशा में पहल करने को कहा है। ईरानी नेताओं के इस बयान के बाद कूटनीतिक परिदृश्य में बदलाव के साफ संकेत दिखने लगे हैं। ईरान ने किसी यूरोपीय देश के बारे में अभी तक कोई बयान नहीं दिया है लेकिन ब्रिक्स देशों की चर्चा दुनिया के बदल रहे शक्ति संतुलन के संकेत हैं। हालांकि इस मामले में उक्त तीनों ब्रिक्स देशों ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है लेकिन आने वाले समय में इन तीनों देशों की भूमिका को नजर-अंदाज नहीं किया जा सकता है। इस्लामाबाद वार्ता का निष्कर्ष भले ही निराशाजनक रहा हो लेकिन यह अमेरिका-ईरान संबंधों में जारी जटिलताओं और कूटनीतिक चुनौतियों को रेखांकित करता है। इतिहास यह बताता है कि ऐसे विवादों का समाधान त्वरित नहीं होता बल्कि धैर्य, निरंतर संवाद और पारस्परिक समझ के माध्यम से ही संभव हो पाता है।

गौतम चौधरी

प्रयागराज के बाद भगवान...

डॉ. नीरज भारद्वाज

भगवान श्रीराम का नदियों के प्रति प्रेम

श्रीरामचरितमानस की हर एक चौपाई एक ग्रंथ कहती जान पड़ती है। इसका अध्ययन व्यापक है, इसमें भक्ति की गहराई है, अध्यात्म का रंग है जो किसी पर एक बार चढ़ गया तो उतरने वाला नहीं है। मानस की ज्ञान गंगा में गोता लगाने के बाद जीव भवसागर से पार उतर जाता है। भगवान श्रीराम ने वनवास के समय उत्तर से दक्षिण की यात्रा करते हुए कितनी ही पवित्र नदियों में स्नान किया, उनके किनारे बैठ कर तप, भक्ति, साधना, तपस्या की और वहीं पर कुछ समय के लिए वास भी किया। इन नदियों के किनारे रहने वाले साधु, संत, महात्मा आदि के भगवान ने दर्शन किये, उनसे आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त किया। साथ ही इन नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को भगवान श्रीराम ने स्वयं दर्शन दिए। सभी से मिलते हुए भगवान इन नदियों को पार करके आगे बढ़ते चले गए। इन नदियों का रामायण में और भगवान श्रीराम के जीवन में विशेष आध्यात्मिक और भौगोलिक महत्व है।

अयोध्या नगरी की बात करें तो यह सरयू नदी के तट पर बसी हुई है। रामचरितमान में गोस्वामी जी लिखते हैं कि, बंदउँ अवध पुरी अति पावनि।सरजू सरि कलि कलुष नसावनि॥ माना यह जाता है कि सरयू नदी हिमालय में मानसरोवर के पास से निकलती है। अयोध्या को सप्तपुरियों में से एक माना जाता है। चौदह वर्ष के वनवास के समय भगवान श्रीराम नेअयोध्या से

निकलने के बाद सबसे पहले तमसा नदी के तट पर विश्राम किया।जब श्रीराम वनवास के लिए निकले तो अयोध्या के नगरवासी भी उनके पीछे-पीछे चल दिए। तब श्रीराम ने तमसा के तट पर रुकने का निर्णय लिया। गोस्वामी जी लिखते हैं कितब प्रभु तमसा तीर निवासा। कयउ प्रथम बास सुभ पासा।। नगरवासी श्रीराम को वापस ले जाने की प्रतीक्षा में वहीं सो गए थे। उन्हें सोते हुए छोड़कर जब प्रभु आगे बढ़े, तब का वर्णन इस प्रकार है- तियँ अरु वृद्ध बिहाइ बिहान। गए रामु तमसा तट जान।। तमसा तीर त्यागि प्रभु गए। रघुबर सखा सहित सिय भए।। आध्यात्मिक दृष्टि से तमसा वह स्थान है जहाँ से प्रभु ने सांसारिक मोह (नगरवा-सियों का प्रेम) को पीछे छोड़कर अपने वनवास के कर्तव्य की ओर प्रस्थान किया था।

अयोध्या की सीमा पार करते समय श्रीराम ने वेदश्रुति और गोमती नदियों को पार किया। श्रृंगवेरपुर में केवट ने श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जी को अपनी नाव से गंगा पार कराई थी। प्रयागराज में ऋषि भरद्वाज से ज्ञान, भक्ति आदि प्राप्त कर आगे बढ़े। वहीं से भगवानश्रीराम ने यमुना पार की और प्रयागराज पहुंचें। गोस्वामी जी ने मानस में प्रयागराज के लिए अनेक शब्दों का प्रयोग किया है, जिनमें एक शब्दतीरथराज भी है।कहि सिय लखनहि सखहि सुनाई। श्रीमुख तीरथराज बड़ाई॥ करि प्रनामु देखत बन बागा। कहत महातम अति अनुरागा ॥ कहने का भाव यह है कि भगवान श्रीराम ने अपने श्रीमुखसे सीताजी, लक्ष्मणजी और सखा गुहको तीरथराज (प्रयागराज)की महिमा कहकर सुनायी।

प्रयागराज के बाद भगवान ने चित्रकूट की ओर प्रस्थान किया। मध्य भारत और दंडकारण्य की नदियों पर बात करें तो सबसे पहले मंदाकिनी नदी आती है। चित्रकूट में वनवास के दौरान भगवान श्रीराम मंदाकिनी नदी के किनारे कुटिया बनाकर रहे।₹नदी पुनीत सुहावनि पावन। मज्जनु कीन्ह राम मन भावन॥सुरसरि धार नाउँ मंदाकिनि। जो सब पातक पोतक डाकिनि॥₹मंदाकिनी नदी अत्यंत पवित्र और सुंदर है, जो मन को भाने वाली है। जो पापों को नष्ट करने में डाकिनी (विनाशक) के समान है। यहीं रहते हुए भगवान ने कामदगिरी पर्वत की पूजा की। मध्य प्रदेश के जंगलों से गुजरते हुए भगवानश्रीराम ने जीवनदायिनी नर्मदा नदीके तटों पर भ्रमण किया।छत्तीसगढ़ (दक्षिण कौशल) के क्षेत्र में वनवास का एक बड़ा हिस्सा महानदी के जलग्रहण क्षेत्रों में बिताया।

दक्षिण भारत की प्रमुख नदियों की बात करें तो नासिक (पंचवटी) में श्रीराम ने गोदावरी नदी के तट पर रहे। रामायण की कई मुख्य घटनाएँ इसी नदी के किनारे घटी।सुरसरि सरसइ दिनकर कन्या।मेकलसुता गोदावरि धन्या॥हम्पी (किष्किंधा) के पास तुंगभद्रा नदी के किनारे भगवान श्रीराम की भेंट हनुमान जी और सुग्रीव से हुई। रामायण में इसे 'पम्पा सरोवर' के क्षेत्र से भी जोड़ा जाता है। पंपा सरहि जाहु रघुराई। तहँ होइहि सुग्रीव मिताई॥ दक्षिण की ओर बढ़ते हुए श्रीराम ने कावेरी की सहायक धाराओं के निकटवर्ती क्षेत्रों को पार किया। विचार करें तो इन नदियों के किनारे आज भी कई प्राचीन मंदिर और आश्रम स्थित हैं, जो उस कालखंड की स्मृति दिलाते हैं।

स्वाभाविक...

कमलेश पांडेय

आखिर कैसी हो बिहार के मुख्यमंत्री की दृष्टि ताकि विकसित राज्य बने बिहार?

मैं बिहारी हूँ। एनसीआर वाला भी हूँ। जीवन के अमूल्य 36 वर्ष बिहार में गुजरे हैं। अब भी आना-जाना लगा रहता है लेकिन जो टीस सालती है, वह यह कि आखिर बिहार का पुराना वैभव कैसे लौटेगा? मगध और पाटलिपुत्र की पुरानी प्रतिष्ठा कैसे पुनर्स्थापित होगी? ऐसा इसलिए कि भारत शुरू से ही बिहार के हाथ में महफूज रहा है, एकीकृत होकर आगे बढ़ा है। युद्ध के स्थान पर बुद्ध बिहार की अविस्मरणीय शान समझे जाते हैं। तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला की ज्ञान गौरव गाथा कौन नहीं जानता!

स्वाभाविक है बिहार को वह आदमकद नेतृत्व चाहिए, जो अभी तक के चाणक्य नीतीश कुमार और अमित शाह पैदा नहीं कर सके, लेकिन उम्मीदों पर दुनिया कायम है। लेट्स इंस्पायर बिहार एक अच्छी मुहिम है क्योंकि नेतृत्व दूरदर्शी है। इसलिए मेरी सोच है कि बिहार को सचमुच विकसित राज्य बनाने के लिए उसका मुख्यमंत्री कुछ खास तौरतरीके का होना चाहिए– न सिर्फ़ राजनीतिक रूप से "सशक्त", बल्कि नीतिगत दृढ़ता, नैतिक क्लीनइमेज और प्रशासनिक दक्षता वाला नेता होना ज़रूरी है।

मुख्यमंत्री के पास बिहार के लिए स्पष्ट 10-15 साल का विकास रोडमैप होना चाहिए, जैसे बिहार सरकार के "सात निश्चय–3" के ज़रिए 2025–2030 तक बिहार को विकसित राज्यों की श्रेणी में ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री श्री कृष्ण सिंह के अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक अच्छी पहल की, लेकिन यूपीए/एनडीए की चक्की में पिसते रहे और बिहार के भविष्य की टीस उन्हें सालती रही। अब वो कुछ घण्टे पद पर हैं, लेकिन उनकी सोच के बिना समृद्ध बिहार संभव नहीं, क्योंकि पेशेवर इंजीनियर थे। " सोशल इंजीनियरिंग के माहिर भी। लिहाजा, विकास के इस रोडमैप में कृषि, उद्योग, युवाओं को रोज़गार, शिक्षा–स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा (रोड्स, रेल, एयरपोर्ट, लॉजिस्टिक्स) पर संतुलित ज़ोर होना चाहिए।

अवकाश प्राप्त शिक्षिका श्रीमती गायत्री कुमारी बताती हैं कि ₹जो मुख्यमंत्री "नेपोटिज़्म, जातिगत भागबंटवारा और भ्रष्टाचार" से ऊपर उठकर गुणवत्ताआधारित नियुक्तियाँ करे, वही बिहार को आगे बढ़ा सकता है। उसे निर्णयस्वतंत्र, तकनीकी टीम (आईआईटी, आईआईएम, विशेषज्ञ) के सहयोग से नीतियाँ बनानी चाहिए, न कि सिर्फ़ राजनीतिक हित के लिए घोषणाएँ करनी चाहिए।

बिहार जैसे घनी आबादी वाले राज्य में मुख्यमंत्री को नियमित "जनसंवाद, ग्रामसभाएँ, युवामहिला संवाद और अधिकारियों के साथ जनसमस्या समाधान" जैसे फॉर्मेट चलाने चाहिए। इससे नीतियों की जमीनी हकीकत (ग्राउंड रियलिटी) मिलती रहती है और जनता को भी लगता है कि उनकी "आवाज़" वाकई ऊपर तक पहुँच रही है, न कि सिर्फ़ भाषण और रोडशो आदि में। बिहार की सबसे बड़ी पूँजी उसकी युवा आबादी है; मुख्यमंत्री को कौशल विकास, सूचना प्रौद्योगिकी (IT), एमएसएमई (MSME), डाइटी, फुड प्रोसेसिंग, फार्मास्यूटिकल और लॉजिस्टिक्सआधारित नौकरियों के लिए विशेष योजनाएँ चलानी चाहिए। महिलाओं को स्वरोजगार, माइक्रोफाइनेंस, एसएचजी (SHG)लिंकड उद्यम और शहरस्तरीय उद्यमिता केंद्र देने से न केवल रोज़गार बढ़ेगा, बल्कि सामाजिक उत्थान भी होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि इन्हें सुशिक्षित और सुसंस्कृत बनाने के लिए सरजमीनी प्रयास होने चाहिए ताकि हिंसक सोच हतोत्साहित हो।

बंगाल को चाहिए आर्थिक नवजागरण

स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले ने कहा था, भारत जो कल सोचता है उसे बंगाल आज सोच लेता है। उनकी यह उक्ति स्वतंत्रता के समय के पश्चिम बंगाल के लिए सटीक थी। बंगाल सांस्कृतिक और सामाजिक नवजागरण के साथ-साथ देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास का भी केंद्र था और कलकत्ता(अब कोलकाता) उसकी मुकुटमणि था। स्वतंत्रता के समय उद्योग और व्यापार का सबसे बड़ा केंद्र कलकत्ता ही था, जिसकी जीडीपी शंघाई के बराबर थी और औसत आय उससे भी अधिक।

देश की एक चौथाई वस्तुओं का उत्पादन अकेले बंगाल में होता था और देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान बंगाल का ही था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद और खासकर साठ के दशक के बाद बंगाल और कलकत्ता की किस्मत ने ऐसी पलटी खाई कि आज इस राज्य में तीन प्रतिशत से भी कम वस्तुएं बनती हैं और जीडीपी में उसका योगदान घटकर केवल 5.6 प्रतिशत रह गया है। प्रति व्यक्ति आय में भी वह पहले स्थान से फिसलकर 21वें पायदान पर चला गया है। राज्यों के मानव विकास सूचकांक में भी वह 22वें से 25वें पायदान पर है। ओडिशा भी उससे आगे निकल चुका है। इस पतन का असली कारण बंगाल की राजनीति, आर्थिक विषमता और कानून व्यवस्था में छिपा है, जिसे राज्य सरकारों ने लगातार नजरअंदाज किया है। बढ़ती आर्थिक विषमता के कारण साठ के दशक से ही नक्सलबाड़ी के हिंसक आंदोलन का दौर शुरू हो गया, जिस पर अंकुश लगाने में राज्य और केंद्र सरकारें, दोनों विफल रहीं। इससे कानून व्यवस्था भंग हुई और राज्य अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले छोटे और मझोले कारोबारों ने परेशान होकर बड़ी संख्या में पलायन शुरू किया। सत्तर का दशक आते-आते मजदूर संगठनों के सिंडिकेट बनने शुरू हुए, जिन्होंने बड़े उद्योगों को हड़तालों और घेराव से परेशान करना शुरू किया।

शिवकांत शर्मा

जरा हटके

अंतरराष्ट्रीय स्तर...

डॉ. शैलेश शुक्ला

व्यापक जन आंदोलन ही लगा सकता है भ्रष्टाचार पर रोक

भ्रष्टाचार आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के सामने उपस्थित सबसे जटिल और गहरे संकटों में से एक है। यह केवल आर्थिक संसाधनों की चोरी या सार्वजनिक धन के दुरुपयोग तक सीमित समस्या नहीं है बल्कि यह शासन व्यवस्था की विश्वस-नीयता, सामाजिक न्याय, विकास की गति और नागरिकों के नैतिक मनोबल को भी प्रभावित करता है। अनेक देशों के अनुभव यह दर्शाते हैं कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध केवल कानून बनाना या दंडात्मक प्रावधान पर्याप्त नहीं होते; जब तक समाज के व्यापक वर्ग की सक्रिय भागीदारी और जागरूकता नहीं होती, तब तक भ्रष्टाचार अपनी संरचनात्मक जड़ों के साथ बना रहता है। यही कारण है कि इतिहास और समकालीन राजनीति दोनों इस निष्कर्ष की ओर संकेत करते हैं कि भ्रष्टाचार पर वास्तविक और स्थायी रोक केवल व्यापक जन आंदोलन के माध्यम से ही संभव है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार की स्थिति को मापने के लिए ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक एक महत्वपूर्ण मानक माना जाता है। इस सूचकांक के 2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत को 100 में से 39 अंक प्राप्त हुए और वह 182 देशों में 91वें स्थान पर रहा, जो यह दर्शाता है कि भ्रष्टाचार की चुनौती अभी भी गंभीर रूप से मौजूद है और वैश्विक औसत से नीचे बनी हुई है। यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है; विश्व के अधिकांश देशों में भ्रष्टाचार संस्थागत और संरचनात्मक रूप में मौजूद है, जिससे स्पष्ट होता है कि यह समस्या केवल प्रशासनिक कमजोरी का परिणाम नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं से जुड़ी हुई है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानूनी ढांचा किसी भी लोकतंत्र की आवश्यक शर्त है। भारत में लोकपाल, केन्द्रीय सतर्कता आयोग,

सूचना का अधिकार कानून, और विभिन्न सतर्कता तंत्रों की स्थापना इसी उद्देश्य से की गई थी कि सत्ता और प्रशासन को जवाबदेह बनाया जा सके परंतु व्यवहारिक स्तर पर यह भी देखा गया है कि केवल संस्थागत तंत्र भ्रष्टाचार को समाप्त नहीं कर पाए हैं। कई मामलों में जांच एजेंसियां राजनीतिक दबाव, संसाधनों की कमी या प्रक्रियागत जटिलताओं के कारण प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर पातीं। इससे जनता में यह धारणा बनती है कि भ्रष्टाचार के बड़े मामलों में दोषियों को दंडित करना कठिन है जबकि छोटे स्तर पर कार्यवाही अपेक्षाकृत आसान होती है। यहीं पर जन आंदोलन की भूमिका निर्णायक बनती है। जब नागरिक स्वयं भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाते हैं, सड़कों पर उतरते हैं, जनमत बनाते हैं और शासन से पारदर्शिता की मांग करते हैं, तब सरकारें और संस्थाएं अधिक उत्तरदायी बनने के लिए बाध्य होती हैं।

संबंध से जुड़ना

आज हर प्राणी किसी ना किसी समाज से जुड़ा हुआ हैं । वह मज़हब कोई भी हो सकता है पर उसके नियम क़ानून की पालना करना उसका नैतिक कर्तव्य बनता है। हम जिस समाज के अंग हैं उसके क़ायदे-क़ानून की अगर अवहेलना करेंगे तो सामाजिक व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो जाएगी। एक से दो होते हैं दोस्त,दो से चार होता है , परिवार और चार से चालीस समाज होता है।व्यक्ति का और समाज का एक सामाजिक रिश्ता होता है। आदिकाल के पश्चात सभ्यता के विकास से परिवार व समाज व्यवस्था का प्रादुर्भाव हुआ हैं । इसका मनुष्य की जीवनशैली पर प्रभाव पड़ा हैं । वह इसी के चलते मनुष्य आज सामाजिक प्राणी कहलाता है। वह सम्बन्धों में जीता है। परिवार, मित्र, समाज, समूह आदि आधारभूत इकाईयां हैं। इनमें गहन परस्पर निर्भरता बढ़ने लगी हैं। एक दूसरे की मानो वह परछाईयां हैं । इसका मूल कारण पारस्परिक अपेक्षाएं है । हमें कुछ माने चाहत रहती है दूसरा महत्व की भावनाएं दे । यहीं से उत्कर्ष के साथ-साथ संघर्ष शुरू होता है । वह पारिवारिक व सामाजिक स्वस्थता के लिए आवश्यक परस्पर लेने का नहीं है, सदा देने की भावना पनपे। अपेक्षाएं आवश्यकताओं तक ही सीमित रहें। वह तब सम्बन्ध प्रेम में बदल जाता है। वह सेवा समर्पण बन जाता है। यहीं से सामाजिक सौहार्द का विस्तार और सामूहिक प्रगति का आधार होता है । एक व्यक्ति जन्म लेता हैं । वह जन्म के साथ संबंधों से जुड़ जाता हैं । वह नहीं जानता लेकिन लोग जान लेते हैं कि यह उसकी माता हैं, यह पिता हैं, यह उसका भाई हैं । अनेक संबंध जुड़ जातें है । समाज का मतलब है कि संबंधों की श्रृंखला । वह जब कोई साधु बनता हैं , उसके लिए कहा जाता हैं कि सब संबंधों से मुक्त हो गया । एक सामाजिक प्राणी कभी संबंधों से मुक्त नहीं हो सकता है । परिवार का संबंध हैं, पड़ौसी का संबंध हैं, गांव का संबंध हैं, समाज का संबंध हैं । संबंध में रहने वाला कभी संबंधातीत जीवन जी नहीं सकता हैं । वह संबंधों के साथ जीता हैं । संबंधों में ये सारे चिंतन आते हैं । उन चिंतनों का एक वर्गीकरण भगवान् महावीर की वाणी में बहुत सुंदर मिलता हैं । दस प्रकार के धर्म बतायें गए हैं । ग्राम धर्म, नगर धर्म, राष्ट्र धर्म आदि ये सारे धर्म हैं । ये सारे मोक्ष के धर्म नहीं हैं । कुछ लोकोत्तर धर्म हैं । वह कुछ लौकिक धर्म हैं । वह इन सबको ठीक से समझें बिना समग्र जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती और एक व्यक्ति समग्रता का जीवन नहीं जी सकता हैं । एकांगी निरपेक्ष होता हैं। समाज में कोई भी निरपेक्ष जीवन नहीं जी सकता हैं । निरपेक्ष केवल अस्तित्व ही हो सकता हैं । व्यक्ति कभी निरपेक्ष नहीं हो सकता हैं । आत्मा निरपेक्ष हो सकती हैं किंतु कोई भी शरीरधारी निरपेक्ष नहीं हो सकता हैं । वह सापेक्ष होता हैं और सापेक्षता का जीवन जीता हैं। हम सब सापेक्ष हैं । आज की विकसित सामाजिक प्रणाली में मनुष्य समाज का एक अभिन्न अंग है इसलिए वह समाज-व्यवस्था के अलिखित नियमों से आबद्ध है। ताकि समाज का सुचारु रूप से प्रबंध होता रहे। मनुष्य की मनुष्यता अस्तव्यस्त होने से केवल उसको केवल व्यक्तिगत हानि ही नहीं होती बल्कि समाजिक शांति, सुव्यवस्था एवं प्रगति भी छिन्न भिन्न हो जाती है। क्योंकि व्यक्तियों का समाज समूह ही तो हैं । समाज और व्यक्ति का संबंध अविच्छिन्न है। दोनों अन्योन्याश्रित हैं। अतः आवश्यक है कि सुचारु रूप से सामाजिक व्यवस्था चलती रहे । सत्य, ईमानदारी, मिलनसरिता, करुणा, कर्तव्यनिष्ठा आदि जैसे चारित्रिक गुण हैं जो लोगों के दिल से प्रतिष्ठा दिलाते हैं।

> प्रदीप छाजेड़

वैभव शून्य पर आउट संदीप-जुरेल टकराए, फ्लडलाइट्स बंद हुईं

प्रफुल्ल आईपीएल डेब्यू ओवर में तीन विकेट वाले पहले बॉलर

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद ने IPL के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 57 रन से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। IPL डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए। वे ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। वैभव सूर्यवंशी बिना खाता खोले आउट हुए। ईशान किशन के कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकरा गए।

जोफ्रा आर्चर ने मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया। अभिषेक बिना खाता खोले लौटे। इससे पहले 10 अप्रैल को RCB के खिलाफ भी आर्चर ने पहली गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया था। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने यह कारनामा किया। IPL में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट के मामले में मोहम्मद शमी 5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। आर्चर 4 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान के लिए यह 24वीं बार रहा जब टीम ने बिना कोई रन दिए पहला विकेट लिया। यह IPL में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा है। वहीं, 12वीं बार ऐसा हुआ जब राजस्थान ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लिया। 10वें ओवर में ईशान किशन ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने रवि बिश्नोई के खिलाफ घुटने के बल बैठकर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाकर 30 गेंद में अर्धशतक बनाया। 14वें ओवर में ईशान किशन का विकेट गिरा। संदीप शर्मा की वाइड लेंथ गेंद पर ईशान ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और गेंद ऊपर चली गई। कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकराए, लेकिन संदीप ने गेंद पकड़ ली।

13वें ओवर में फ्लडलाइट बंद होने से खेल रुका। मैदान पर अंधेरा छा गया और दर्शकों ने मोबाइल फ्लैश जलाई। ब्रेक में ईशान किशन टॉवेल से खुद को सुखाते नजर आए, जबकि रियान पराग और संदीप शर्मा बात करते दिखे।

साकिब का आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग फिगर

साकिब हुसैन IPL डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस वाले प्लेयर बने। उन्होंने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। साकिब ने अश्विनी कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विनी ने 2025 में KKR के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर प्रफुल हिंगे हैं। उन्होंने आज 34 रन देकर 4 विकेट लिए।

> अभिषेक शर्मा एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वे इस साल 18 पारियों में 7 बार बिना खाता खोले लौटे। उन्होंने रोहित शर्मा (2018) और संजू सैमसन (2024) को पीछे छोड़ा, जो 32-32 पारियों में 6-6 बार शून्य पर आउट हुए थे।

क्रिकेटर अर्शदीप रूमर्ड गर्लफ्रेंड समरीन संग दिखे

मोहाली, एजेंसी

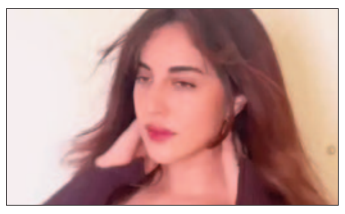

इंडियन क्रिकेटर अर्शदीप सिंह और रूमर्ड गर्लफ्रेंड मॉडल समरीन कौर के साथ पहली बार चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर नजर आए। दोनों आपस में बात करते हुए जा रहे थे। इस दौरान फैंस ने उनका वीडियो बना लिया। इसके अलावा पंजाब किंग्स की टीम मुंबई में मैच खेलने गई है। कल (12 अप्रैल) शाम को मॉडल समरीन कौर ने सोशल मीडिया पर मुंबई स्थित गेटवे ऑफ इंडिया की फोटो शेयर की थी। इसके बाद क्रिकेटर अर्शदीप ने भी माइक टेस्टिंग के बहाने स्नैपचैट पर इसी जगह की स्टोरी शेयर की। इससे फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि दोनों साथ में ही घूम रहे हैं। वह एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि इस रिश्ते को लेकर अर्शदीप सिंह या समरीन कौर ने अभी औपचारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है। उधर, अर्शदीप के पिता दर्शन सिंह ने बताया कि यह अर्शदीप का निजी मामला है। वह उसकी गर्लफ्रेंड या मंगेतर जो भी है, इसमें मीडिया से संबंधित कोई मामला नहीं है। वह किससे शादी करेगा, यह उसका निजी फैसला है।वहीं मां बलजीत कौर ने कहा कि लोग सोशल मीडिया पर बता नहीं क्या डाल देते हैं,

चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर साथ थे पिता बोले- बेटा किससे शादी करेगा, ये उसका निजी फैसला

लेकिन इस मामले में कोई सच्चाई नहीं है। जब इस तरह का कुछ होगा, तो सभी के सामने आ जाएगा। अर्शदीप के कोच जसवंत सिंह ने कहा कि पिछले हफ्ते मेरी अर्शदीप के परिवार के साथ मुलाकात हुई है, लेकिन इस तरह की कोई बात सामने नहीं आई। अब इस मामले में अर्शदीप ही बता सकता है। सोशल मीडिया पर जो वीडियो शेयर किया जा रहा है, वह रविवार (12 अप्रैल) का बताया जा रहा है। इसे चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर चेकइन के लिए जाते समय शूट किया गया। इसमें दिख रहा है कि अर्शदीप अपना बैग लेकर 3 लोगों के साथ चंडीगढ़ एयरपोर्ट के अंदर जा रहे हैं।

लता मंगेशकर आशा भोसले की याद में बनेगा अस्पताल

आशा भोसले का रविवार को 92 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। सोमवार को उनका राजकीय सम्मान के साथ शिवाजी पार्क श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। उन्हें महाराष्ट्र पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अंतिम संस्कार में आमिर खान, विक्की कौशल, अनु मलिक, शान समेत कई सेलेब्स श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

एक्ट्रेस तब्बू भावुक नजर आईं और उन्होंने आशा भोसले की पोती जनाई को गले लगाकर ढांढस बंधाया।

नई दिल्ली। सिंगर लता मंगेशकर और आशा भोसले की याद में पुणे में एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाया जाएगा। दोनों सिंगर्स के भाई और म्यूजिक डायरेक्टर हृदयनाथ मंगेशकर ने सोमवार को यह जानकारी दी।

हृदयनाथ मंगेशकर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पुणे में उनकी मां और लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था।

उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका।

हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि अस्पताल लता मंगेशकर के नाम पर बनाया जाएगा और इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं। 16 तारीख के दिन इसके मुहूर्त की योजना थी, लेकिन इसी बीच अचानक आशा भोसले का निधन हो गया।

उन्होंने कहा कि अब परिवार ने तय किया है कि अस्पताल लता मंगेशकर और आशा भोसले दोनों के नाम पर बनाया जाएगा। वो इसे एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

आशा भोसले का रविवार को 92 साल की उम्र में मुंबई में निधन हो गया। सोमवार को उनका राजकीय सम्मान के साथ शिवाजी पार्क श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। उन्हें महाराष्ट्र पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अंतिम संस्कार में आमिर खान, विक्की कौशल, अनु मलिक, शान समेत कई सेलेब्स श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

आशा भोसले के घर कई सेलेब्स पहुंचे

शिवाजी पार्क श्मशान घाट में अंतिम संस्कार से पहले सोमवार सुबह आशा भोसले के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए मुंबई स्थित उनके निवास 'कासा ग्रांडे' में रखा गया। सचिन तेंदुलकर, रणवीर सिंह, जैकी श्रॉफ, रितेश देशमुख सहित कई सेलेब्स अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे।

16 साल बाद सत्ता से बाहर, पुराने साथी पीटर मग्यार भारी बहुमत से जीते

हंगरी में ट्रम्प पुतिन के समर्थन के बावजूद चुनाव हारे ऑर्बन

मग्यार की जीत का जश्न मनाते हुए समर्थकों में भारी उत्साह दिखा।

बुडापेस्ट में देर रात पीटर मग्यार अपनी जीत का जश्न मनाते हुए हंगरी का झंडा लहरा रहे हैं।

जश्न

बुडापेस्ट, एजेंसी

विक्टर ऑर्बन हंगरी का प्रधानमंत्री चुनाव हार गए हैं। वे 16 साल से सत्ता में थे। विपक्षी तिस्जा पार्टी के पीटर मग्यार अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। मग्यार पहले ऑर्बन की पार्टी फिदेस से जुड़े थे, लेकिन पार्टी में भ्रष्टाचार के खिलाफ उनसे अलग हो गए थे।

ऑर्बन दुनिया के गिने-चुने नेताओं में हैं, जिनकी करीबी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से है। ऑर्बन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी माने जाते रहे हैं। उनकी राजनीति रूस से करीबी और यूरोपीय यूनियन से दूरी पर आधारित रही है। उन्होंने रूस पर लगे प्रतिबंधों का कई बार विरोध किया और यूक्रेन युद्ध जल्दी खत्म करने की बात कही। उनके आलोचकों का कहना है कि यह रुख रूस को खुश करने के लिए है।

न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, इस बार के चुनाव में करीब 80% रिकॉर्ड वोटिंग हुई थी। नतीजों को बड़े राजनीतिक उलटफेर के रूप में देखा जा रहा है। इसका असर यूरोप और ग्लोबल राजनीति पर पड़ेगा।

ट्रम्प के करीबी माने जाते हैं ऑर्बन

ऑर्बन ने अपनी हार स्वीकार कर ली है और अपने समर्थकों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अब वे विपक्ष से देश की सेवा करेंगे। ऑर्बन को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का करीबी सहयोगी माना जाता रहा है। हाल ही में उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने चुनाव से पहले हंगरी का दौरा किया था और उनका समर्थन किया था। ऑर्बन यूरोप में ट्रम्प के सबसे भरोसेमंद सहयोगी रहे हैं। 2016 में ट्रम्प के पहली बार चुनाव लड़ने की घोषणा पर ऑर्बन पहले यूरोपीय नेता थे जिन्होंने उन्हें समर्थन दिया था।

तिस्जा पार्टी की 138 सीटों के साथ बड़ी जीत

BBC के मुताबिक, शुरुआती नतीजों में तिस्जा पार्टी ने 199 में 138 सीटों पर जीत दर्ज की है। वहीं, ऑर्बन की फिदेस पार्टी को सिर्फ 55 सीटें ही मिली हैं। तिस्जा को करीब 53% और फिदेस को करीब 37% वोट मिले। इन चुनाव नतीजों के बाद हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में देर रात तक जश्न चलता रहा। डेन्यूब नदी किनारे हजारों लोग जुटे। कारों के हॉर्न, झंडे और नारेबाजी के बीच जश्न चलता रहा। कई जगह लोगों ने रूसियों घर जाओ जैसे नारे लगाए।

ऑर्बन के समर्थन में वेंस खुद पहुंचे थे

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 7 अप्रैल 2026 को हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट का दौरा किया। उनका यह दौरा काफी चर्चा में रहा, क्योंकि यह हंगरी के संसदीय चुनाव से सिर्फ पांच दिन पहले हुआ था और इसे प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के समर्थन के तौर पर देखा गया। अमेरिकी इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब कोई मौजूदा उपराष्ट्रपति दूसरे देश जाकर किसी खास नेता के पक्ष में चुनाव प्रचार करता नजर आया हो।

ऐलान : नादिर छोड़ेंगे कमान, नोटबंदी में एक दिन में बेचे थे 300 करोड़ के विला

गोदरेज ग्रुप के नए चेयरपर्सन बनेंगे पिरोजशा

नई दिल्ली, एजेंसी

127 साल पुराने गोदरेज ग्रुप ने अपनी उत्तराधिकार योजना का औपचारिक ऐलान कर दिया है। समूह के मौजूदा चेयरमैन नादिर गोदरेज अगले साल अगस्त 2026 में अपने पद से रिटायर होंगे। उनकी जगह उनके बड़े भाई आदि गोदरेज के बेटे पिरोजशा गोदरेज (45) समूह की कमान संभालेंगे।

पिरोजशा 14 अगस्त 2026 से 'गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह' और 'गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड' के चेयरपर्सन का पद संभालेंगे। यह बदलाव समूह की नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने और भविष्य के रणनीतिक विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

व्हार्टन और कोलंबिया यूनिवर्सिटी से शिक्षित पिरोजशा ने साल 2004 में 'गोदरेज प्रॉपर्टीज' से अपने करियर की शुरुआत की थी। बहुत कम लोग जानते हैं कि पिरोजशा 20 साल की उम्र में राजनीति में करियर बनाना चाहते थे। अमेरिका में पढ़ाई के दौरान वे जॉर्ज बुश और अल गोर के चुनावी मुकाबले से काफी प्रभावित हुए थे।

उन्होंने हिलेरी क्लिंटन के न्यूयॉर्क सीनेट कार्यालय में इंटर्नशिप भी की और दिल्ली में विदेश राज्य मंत्री के अतिरिक्त निजी सचिव के रूप में काम किया। हालांकि, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं पर अच्छी पकड़ न होने के कारण उन्होंने बिजनेस की दुनिया को ही अपना कार्यक्षेत्र चुना। इस उत्तराधिकार योजना में नादिर गोदरेज के बेटे बुर्जिस (35) को भी अहम जिम्मेदारी दी गई है। स्टैनफर्ड और हार्वर्ड से पढ़े बुर्जिस 'गोदरेज एग्रोवेट' के नए चेयरपर्सन बनेंगे।

नोटबंदी के समय एक दिन में बेचे थे 300 करोड़ के विला

पिरोजशा की दूरदर्शिता का सबसे चर्चित उदाहरण 2016 की नोटबंदी के दौरान देखने को मिला था। जब पूरे रियल एस्टेट सेक्टर में मंदी छाई थी और नकद लेनदेन बंद होने से हड़कंप मचा था, उस वक्त उन्होंने ग्रेटर नोएडा के एक प्रोजेक्ट में एक ही दिन में 300 करोड़ रुपए के विला बेच दिए थे। उन्होंने साबित किया कि जब बाजार में अनिश्चितता होती है, तो ग्राहक केवल भरोसेमंद और पारदर्शी ब्रांड्स की ओर ही रुख करते हैं। वह दिन कंपनी के इतिहास में 'गेमचेंजर' साबित हुआ था।

रिटायरमेंट के बाद चेयरमैन एमेरिटस रहेंगे नादिर

समूह के वर्तमान चेयरमैन नादिर गोदरेज जब अगस्त 2026 में रिटायर होंगे, तब उनकी उम्र 75 वर्ष होगी। रिटायरमेंट के बाद वे पूरी तरह से कंपनी से अलग नहीं होंगे, बल्कि 'चेयरमैन एमेरिटस' की भूमिका में रहकर नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते रहेंगे।

उनके कार्यकाल में समूह ने कई नए मुकाम हासिल किए हैं, और अब पिरोजशा इस विरासत को आगे बढ़ाएंगे। पिरोजशा फिलहाल समूह के प्रॉपर्टीज, कैपिटल और वेंचर्स बिजनेस के चेयरपर्सन के रूप में काम देख रहे हैं।

ईरान ने मीम और वीडियो के जरिए उड़ाया ट्रंप का मजाक

'फारस की खाड़ी का दयनीय समुद्री डाकू'

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच बेनतीजा रही हालिया शांति वार्ता के बीच ईरान ने एक नई तरह की कूटनीतिक जंग छेड़ दी है। ईरान के कई अंतरराष्ट्रीय राजनयिक हैंडल्स अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को निशाना बनाते हुए सोशल मीडिया पर मीम शेयर कर रहे हैं। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका से लेकर मुंबई तक के ईरानी दूतावासों ने व्यंग्यात्मक वीडियो और तीखे संदेशों के जरिए ट्रंप का मजाक उड़ा रहा है और अपनी नौसैनिक शक्ति का प्रदर्शन कर रहे हैं। ईरानी दूतावासों के द्वारा इन पोस्ट्स के जरिए ट्रंप को समुद्री डाकू बताने से लेकर मिसाइलों के झुंड की चेतावनी तक दी है। ईरानी दूतावास द्वारा जारी एक अन्य पोस्ट में, ट्रंप को समुद्री डाकू के रूप में चित्रित किया गया है, जिसका कैप्शन है, फारसी खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट के दयनीय समुद्री डाकू। जिसके जरिए ईरान ट्रंप को फारस की खाड़ी का दयनीय समुद्री डाकू कह रहा है। इसी बीच, मुंबई स्थित ईरान के वाणिज्य दूतावास ने भी ईरान की नौसैनिक क्षमताओं को उजागर करते हुए अपनी नौसेना की ताकत को एक वीडियो के माध्यम से शेयर किया है। वीडियो के कैप्शन में लिखा है, फारस की खाड़ी की लाल मधुमक्खियां, हां, तेज मिसाइल नौकाएं तैयार हो रही हैं। यह मजेदार है कि ट्रंप ईरान की नौसेना को 'खत्म' बताते रहे... अब उन्हें पता चलने वाला है कि मिसाइलों का झुंड कितनी जल्दी आपको घेर सकता है। अभी तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।

ईरानी दूतावास ने शेयर किया संगीतमय वीडियो

दक्षिण अफ्रीका स्थित ईरान दूतावास ने एक पोस्ट साझा किया जिसमें ट्रंप को एक संगीतमय वीडियो में दिखाया गया है, जहां उन्हें जहाजों को नाकाबंदी से गुजरने की अनुमति देने की अपील करते हुए देखा जा रहा है। वीडियो में वे लयबद्ध स्वर में कहते हैं, अगर तुम मुझे रोकोगे तो मैं तुम्हें रोक दूंगा।

उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समन्वय व क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी गई

उच्च शिक्षण संस्थानों में चलेगा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' अभियान

निर्देश

- विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में 15-16 अप्रैल को पदयात्रा का आयोजन
- महिला महाविद्यालयों व छात्रावासों में 'नारी शक्ति दीवार' स्थापित होगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने मंगलवार को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' के व्यापक प्रचार-प्रसार में उच्च शिक्षा विभाग की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु उच्च शिक्षा विभाग के शासन के सभी वरिष्ठ अधिकारियों उच्च शिक्षा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों और प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों की एक वर्चुअल बैठक की। उन्होंने बैठक में प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को अभियान की गतिविधियां प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाना प्राथमिकता है। मंत्री उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली और भविष्य में मिलने जा रही है। 10 से 20 अप्रैल 2026 तक चलने वाले इस अभियान के अंतर्गत प्रदेश के उच्च शिक्षण संस्थानों में विविध

अभियान के सफल संचालन हेतु विभिन्न अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए उच्च शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिए कि उच्च शिक्षा परिषद के सचिव निजी विश्वविद्यालयों से समन्वय करेंगे, कुलसचिव सरकारी एवं अनुदानित महाविद्यालयों से संपर्क करेंगे, परीक्षा नियंत्रक स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों से समन्वय करेंगे तथा क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के सभी संस्थानों में कार्यक्रमों का संचालन सुनिश्चित करेंगे। विशेष सचिव राजकीय विश्वविद्यालयों की निगरानी करेंगे।

जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि 15 एवं 16 अप्रैल को प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 'नारी शक्ति पदयात्रा' आयोजित की जाए।

'सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार'

उच्च शिक्षा मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेशभर के प्रमुख स्थानों एवं महिला महाविद्यालयों/छात्रावासों में 'नारी शक्ति दीवार' स्थापित की जाए, जहां महिलाएं अपने विचार व्यक्त करते हुए हस्ताक्षर करेंगी तथा मानव श्रृंखला बनाकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया जाएगा। इसके साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि मिस्ड कॉल नंबर एवं स्टिकर के माध्यम से जनसमर्थन जुटाया जाएगा और इनका उपयोग सभी कार्यक्रमों जैसे प्रेस वार्ता, पदयात्रा एवं सम्मेलन में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सैंड आर्ट, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, लोकगीत एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में व्यापक जनजागरूकता विकसित की जाएगी।

बड़े भू-स्वामियों को अब उसी गांव में मिलेगा प्लॉट

आईटी सिटी योजना को रफ्तार, लैंडपूलिंग के नियम बदले

मार्च में लॉटरी के जरिए छोटे भू-स्वामियों को 549 भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। अब बड़े भू-स्वामियों के लिए नियम आसान होने से आईटी सिटी योजना में तेजी आने की संभावना है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार का कहना है कि संशोधित लैंडपूलिंग व्यवस्था से योजना को तेजी मिलेगी और जल्द ही आईटी सिटी को पूर्ण रूप से विकसित किया जाएगा।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण की बहुप्रतीक्षित आईटी सिटी योजना को गति देने के लिए बड़ा फैसला लिया गया है। अब 10 एकड़ से अधिक जमीन देने वाले भू-स्वामियों को उसी गांव में विकसित प्लॉट आवंटित किया जाएगा, जहां उनकी मूल जमीन है। पहले यह व्यवस्था नहीं थी और आवंटन लॉटरी के जरिए किया जाता था, जिससे बड़े निवेशकों और बिल्डरों में असंतोष था।

एलडीए सुल्तानपुर रोड पर किसान पथ के किनारे करीब 1054 एकड़ में आईटी सिटी योजना विकसित कर रहा है। इसमें बक्कास, सिकंदरपुर अमोलिया, सिद्धपुरा, परेहटा, रकीबाबाद, मोहारी खुर्द, मोहारी कला, खुजौली, भटवारा, सोनई कंजेहरा और पहाड़ नगर टिकरिया जैसे गांव शामिल हैं। अब तक करीब 234 हेक्टेयर जमीन लैंडपूलिंग के जरिए ली जा चुकी है,

जबकि लगभग 800 हेक्टेयर जमीन अभी अधिग्रहित होना बाकी है। शासन स्तर से लगातार दबाव बनाया जा रहा है कि योजना के लिए जल्द से जल्द जमीन जुटाई जाए। यही वजह है कि एलडीए ने नियमों में संशोधन कर बड़े भू-स्वामियों को राहत देने का फैसला किया है। दरअसल, कई बड़े भू-स्वामी और बिल्डर लैंडपूलिंग में जमीन देने से इसलिए पीछे हट रहे थे क्योंकि उन्हें अपनी ही लोकेशन पर विकसित प्लॉट मिलने की गारंटी नहीं थी।

फास्ट न्यूज

बाबा साहब के विचारों से बनेगा सशक्त समाज

गाजीपुर । गाजीपुर जनपद में मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिलाधिकारी अविनाश कुमार सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अपने संबोधन में जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि डॉ. अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि उनके विचारों को जीवन में अपनाने से ही दी जा सकती है। उन्होंने बताया कि संविधान निर्माण के दौरान बाबा साहब ने मानव मूल्यों को सर्वोपरि रखा था।

निर्यातक पर 15 करोड़ जीएसटी चोरी की एफआईआर

मुरादाबाद। राज्य कर विभाग के उपायुक्त ने एक निर्यातक के खिलाफ 15 करोड़ रुपए की GST चोरी और धोखाधड़ी के आरोप में मझोला थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। निर्यातक पर राज्य कर के कुल 15 करोड़ रुपए चोरी करने का आरोप है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद मामले की छानबीन शुरू कर दी है। राज्य कर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि धीमरी निवासी निर्यातक मुजीब पाशा की संभल रोड पर एलएस एक्सपोर्ट्स इंपैक्स के नाम से निर्यात फर्म है। मुजीब पाशा ने 2017 में इस फर्म का पंजीकरण कराया था। फर्म ने 2019-2019 में आपूर्तिकर्ताओं से सप्लाई दर्शाते हुए 2.96 करोड़ रुपए का इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम किया। इसी तरह कई और एंट्री दर्शाई गईं। राज्य कर विभाग ने मुजीब पाशा को नोटिस जारी किया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

मुरादाबाद में राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस पर रैली

बिलारी । मुरादाबाद के बिलारी तहसील में 'राष्ट्रीय अग्निशमन दिवस' उत्साह और जिम्मेदारी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अग्नि सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक रैली का आयोजन किया गया। इसमें नागरिकों को आग से बचाव के उपायों और आपात-कालीन स्थिति में सही कदम उठाने के बारे में शिक्षित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उन शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिन्होंने दूसरों की जान बचाते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। स्थानीय अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि यह दिन उन वीर नायकों को समर्पित है, जो चौबीसों घंटे विषम परिस्थितियों में समाज की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

4 घंटे 500 लोगों ने की नारेबाजी, बोले- स्मार्ट मीटर बने आफत

लौलई उपकेंद्र पर बिजली उपभोक्ताओं का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा नगर लौलई उपकेंद्र पर कांशीराम कॉलोनी के लोगों ने मंगलवार को 4 घंटे तक जमकर प्रदर्शन किया। मौके पर स्थानीय पार्षद ममता रावत भी मौजूद रहीं। लोगों ने स्मार्ट मीटर के चलते लगातार हो रही बिजली कटौती और मीटर रीडिंग अधिक आने का विरोध करते हुए मीटर बदलने की मांग की है। स्थानीय पार्षद ममता रावत ने कहा- बिना बताए मीटर बदलने से स्थानीय लोग नाराज हैं। लोगों को प्रीपेड मीटर नहीं चाहिए, जो मीटर पहले लगा है, वही चाहिए। दावा है कि अधिकारियों ने कहा- पुराने मीटर लगाए जाएंगे। लौलई उपकेंद्र पर लगातार चौथे दिन 500 लोग फिर से पहुंच गए। लगातार तीन दिनों से अधिकारियों की तरफ से शिकायतों को नजरअंदाज करने पर लोग आक्रोशित हो

एसडीओ स्तर के अधिकारियों को मौके पर भेज दिया जा रहा है। जबकि उच्च अधिकारियों को भी मौके पर पहुंचकर कंज्यूमर की समस्या सुननी चाहिए। विधायक के आश्वासन के बाद धरना समाप्त हुआ।

गए। मौके पर महिला, बुजुर्ग और बच्चे तक बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। मामला बढ़ता देखकर मौके पर लेसा के चीफ इंजीनीयर सुशील गर्ग भेजे गए। इस बीच कई बार की बातचीत के बाद अधिकारियों ने दो दिन का समय मांगा। कांशीराम आवासीय कॉलोनी के कंज्यूमर ने बताया- स्मार्ट मीटर से बिजली बिल अचानक बढ़ गए है। प्रीपेड सिस्टम के कारण बार-बार बिजली कट रही है। यह समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। बीकेटी विधायक ने तीसरे दिन (सोमवार) लेसा के उच्च अधिकारियों से मामले को जल्द से जल्द निस्तारण करने को कहा। उन्होंने कहा- मैं इन उपभोक्ताओं के साथ हूं।

11 बजे से 3 बजे तक हुआ जोरदार प्रदर्शन

इसके बाद लोग शांत हुए। स्थानीय निवासी सरोज कुमार पासवान ने बताया- हमारी कॉलोनी में जो मीटर लगे थे। उसको हटाकर करीब 2 हजार से अधिक मकानों में प्रीपेड मीटर लगा दिए। इसमें रिचार्ज करना पड़ता है। बिल माइनस में जाते ही लाइट काट देते हैं। हम लोगों ने सुबह करीब 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक प्रदर्शन किया है। मौके पर आश्वासन दिया गया कि उच्च अधिकारियों से बात कर समस्या का समाधान किया जाएगा।

इंदिरा नगर लौलई उपकेंद्र पर कांशीराम कॉलोनी के लोगों ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ 4 घंटे तक जमकर प्रदर्शन किया।

विरोध के बाद से नहीं कट रही लाइट

विरोध कर रही महिला सुमन ने बताया- जब से मीटर लगा था। पैसा माइनस में जाते ही कनेक्शन कट जाता था। दावा है कि स्मार्ट मीटर लगाने के पहले 200-250 बिल आता था। अब 500-600 बिल आता है। इससे परेशानी बढ़ गई है। प्रदर्शन करने वाले लोगों ने बताया कि जब से प्रदर्शन किया गया है, तब से लाइट नहीं काटी जाती है। इस बीच अधिकारियों ने लोगों से कहा- जिनके मकान के मीटर बदले गए हैं। उनकी सूची और समस्या दी जाए।

13 करोड़ रुपए की ठगी का आरोप पार्टनरशिप के नाम पर लिया पैसा

वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के गोमती नगर में दंपती सहित चार लोगों ने एक युवक कंपनी में पार्टनरशिप का झांसा देकर 13 करोड़ रुपए ठग लिए। पीड़ितने पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) से शिकायत कर पड़ोस में रहने वाले दंपती समेत चार लोगों पर धोखाधड़ी, जालसाजी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। डीसीपी के निर्देश पर गोमती नगर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ है।

पीड़ित कृष्ण प्रताप सिंह ने बताया कि मारुत सुत तिवारी और उनकी पत्नी आनन्दिता तिवारी ने खुद को निजी कंपनी का डायरेक्टर बताते हुए उन्हें बिजनेस में 50% पार्टनर बनाने का लालच दिया। लाइसेंस ट्रांसफर और डिस्ट्रीब्यूशनशिप दिलाने के नाम पर 2022 से 2024 के बीच उनसे और उनके परिजनों से 13 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम ले ली गई। आरोप है कि रकम के एवज में आरोपियों ने कई चेक दिए और एक एग्रीमेंट भी कराया, जिसमें फर्जी तरीके से 40 लाख रुपए आरटीजीएस से देने

की बात दर्ज की गई, जबकि पीड़ित के खाते में कोई पैसा नहीं आया। बैंक स्टेटमेंट से इसकी पुष्टि होने का दावा किया गया है।

पीड़ित ने बताया कि उसके पिता, जो सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी हैं, को भी कंपनी में चेयरमैन बनाने का झांसा देकर करीब 2.58 करोड़ रुपए ट्रांसफर करा लिए गए। इसके अलावा एफडी तुड़वाकर और अन्य माध्यमों से भी लाखों रुपए लिए गए, जिन्हें वापस नहीं किया गया। 25 अक्टूबर 2025 को लिखित समझौते में आरोपियों ने 30 नवंबर 2025 तक पूरी रकम लौटाने का वादा किया, लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी एक रुपया वापस नहीं किया गया।

दो पक्षों में चले ईंट-पत्थर, भाजपा चेयरमैन के लोगों ने थाने में मारने को दौड़ाया

बवाल : अंबेडकर जयंती पर माल्यार्पण को लेकर फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । अंबेडकर जयंती मनाने के दौरान अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए बवाल हो गया। आयोजकों ने अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिए भाजपा से नगर पंचायत चेयरमैन रामावती रावत के बेटे रंजीत रावत को बुलाया था। चेयरमैन का बेटा 4 लग्जरी गाड़ियों से वहां पहुंचा। वहां पहुंचते ही माल्यार्पण कर दिया। लोगों ने इसका विरोध कर दिया। कहा कि पहले बुद्ध प्रार्थना करनी थी, उसके बाद माल्यार्पण करना था।

आरोप है कि आयोजकों की ओर से ही विरोध हो जाने पर चेयरमैन के बेटे के पक्ष के लोग आक्रोशित हो गए। लोगों को गाली दे दी। इसके बाद दोनों तरफ से गाली-गलौज शुरू हो गईं। कुछ देर में मारपीट भी होने लगी। ईंट-पत्थर चले।

सरिया से भी मारपीट की गई। दो राउंड फायरिंग हुई। गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। घायल ग्रामीण जब थाने पहुंचे तो चेयरमैन के बेटे के पक्ष के लोगों ने वहां भी मारने के लिए दौड़ा लिया। मामला बंथरा नगर पंचायत के शिवपुरा स्थित अंबेडकरनगर का है। मारपीट के बाद एक पक्ष से करन और विशाल बंथरा थाने शिकायत करने पहुंचे। वहां नगर पंचायत चेयरमैन के बेटे रंजीत के पक्ष से भी लोग पहुंच गए। आरोप है कि इन्होंने पहले पक्ष के लोगों को थाने परिसर में ही मारने के लिए दौड़ा लिया। इस पर

एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा ने बताया कि इस मामले में अभी किसी की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि घटना में हवाई फायरिंग होने की बात पता चली है। लेकिन, किस पक्ष की ओर से की गई, यह नहीं पता चल सका है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हवाई फायरिंग करने का आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल, दोनों पक्षों से पूछताछ करने के साथ मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने करन और विशाल को तुरंत थाना में कार्यालय के अंदर बंद कर दिया।‹इस दौरान रंजीत रावत के समर्थकों की धक्का-मुक्की से कार्यालय के दरवाजे का शीशा टूट गया। बंथरा थाने में बवाल की आशंका पर एडीसीपी (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसंथ कुमार और एसीपी कृष्णानगर रजनीश वर्मा मौके पर पहुंचे।

एक युवक के हाथ में चोट के निशान खरोंचे जैसे बने हैं। उसने आरोप लगाया कि उसे गोली मारी गई।

घायलों में तीन लोगों की पहचान हुई

रामावती रावत (65) बंथरा नगर पंचायत की चेयरमैन हैं। उनके बेटे रंजीत ही उनका सारा कामकाज देखते हैं। आज रंजीत अंबेडकर जयंती पर नगर पंचायत क्षेत्र के अंबेडकरनगर में आयोजित कार्यक्रम में लोगों के बुलाने पर पहुंचे थे। यहां बवाल हो गया। तीन घायलों की पहचान हुई है। एक पक्ष के करन गौतम (20) और विशाल गौतम (17) चोटिल हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रंजीत रावत के पक्ष से बंथरा स्थित लाला खेड़ा निवासी सरवन (25) के सिर में चोट आई है।

महिला दरोगा ने सादे कपड़े में 'उल्टी' गैंग पकड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ पुलिस ने बेहद शातिर अंदाज में टप्पेबाजी कर रहे अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश किया है। यह गैंग ई-रिक्शा में सवार होकर उल्टी का बहाना और सेफ्टी पिन चुभाकर यात्रियों का ध्यान भटकाता था। कुछ ही सेकंड में उनके जेवर-नगदी पार कर देता था। गिरोह ने 6 माह में लखनऊ में 3 घटनाओं को अंजाम दिया था। पुलिस ने गिरोह को पकड़ने के लिए 700 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले। उसके बाद महिला दरोगा को सादे कपड़ों में तैनात किया। मंगलवार को पुलिस ने गिरोह की सरगना महिला को उसके पति और 2 महिला रिश्तेदारों के साथ गिरफ्तार किया।

डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने मंगलवार को एडीसीपी साउथ रल्ला पल्ली वसंत कुमार और एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा की मौजूदगी में गिरोह का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कृष्णा नगर थाना पुलिस और दक्षिणी जोन की सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई

सरगना महिला, पति और 2 रिश्तेदार लखनऊ में गिरफ्तार, नागपुर से आते थे

करते हुए डूडा कॉलोनी, आशाराम बापू मार्ग मानसनगर से गैंग के चारों सदस्यों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों में गैंग की सरगना शेषकला, उसका पति दयालाल और दो अन्य महिलाएं पूजा व गौरी देवी उर्फ नमजा शामिल हैं।

शेषकला, उसके पति दयालाल और पूजा नागपुर व गौरी देवी उर्फ नमजा बिहार की रहने वाली है। नमजा गर्भवती है।

पृष्ठ 01 का शेष...

देश को नेशनल हा...

यह कॉरिडोर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए "गुड वर्क" साबित होगा। शामली, मुजफ्फर-नगर, मेरठ और बागपत जैसे जिलों में बनने वाले उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। यहां के किसान मेहनती हैं और विभिन्न प्रकार के उत्पादन होते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा- इस कॉरिडोर के माध्यम से इन उत्पादों को राष्ट्रीय राजधानी के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में बड़ी मदद मिलेगी।

2029 के चुनावों में...

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा, 6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है। यह दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ता है और इसके शुरू होने से अब दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी 6 घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह गई है। दोपहर बाद इसे आम लोगों के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है।

4 दशक बाद संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित हुआ। 33% आरक्षण लागू करने वाले इस कानून को बनाने के लिए सभी दलों ने समर्थन दिया। अब इसे लागू करने में देर नहीं होनी चाहिए। 2029 से ही यह लागू हो जाना चाहिए। यह देश की भावना है हर बहन बेटी की इच्छा है ।मातृशक्ति की इसी इच्छा को नमन करते हुए 16 अप्रैल से संसद में चर्चा होनी है। इसे सभी दल सर्व सम्मति से आगे बढ़ाएं। इसलिए मैंने आज देश की नारी शक्ति के नाम आज सभी बहनों के लिए एक पत्र लिखा है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे।

देश की ताकत बन रही बेटियां : पीएम ने कहा कि देश की बेटियां भारत निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। सरकार उनकी भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर मुश्किल समय में महिलाओं को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए प्रयास जारी हैं।

टूरिज्म बना कमाई का सबसे बड़ा जरिया : पीएम ने कहा कि टूरिज्म बढ़ने से हर वर्ग को कमाई का मौका मिलता है। होटल, टैक्सी, दुकानदार सभी को लाभ होता है। उत्तराखंड अब विंटर टूरिज्म और स्पोर्ट्स का बड़ा केंद्र बन रहा है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

लोकसभा सीटें 543...

इसके लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई है।

इन बदलावों को 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना है। हालांकि इस पर विरोध भी शुरू हो गया है। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर कहा कि दक्षिणी राज्यों को सीटें बढ़ाना मंजूर नहीं। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि सरकार यह सब 2029 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक फायदा लेने के उद्देश्य से कर रही है। अगर सरकार महिलाओं को 33% आरक्षण देना चाहती है, तो मौजूदा 543 सीटों में ही यह लागू किया जा सकता है। सीटों के पुनर्वितरण से उत्तर भारत को ज्यादा फायदा होगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखकर कहा कि संसद में जो 3 बिल लाए जाने हैं, उनको लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। कांग्रेस का रुख स्पष्ट है। वह महिला आरक्षण बिल का समर्थन करती है, लेकिन जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों को 850 तक बढ़ाने के प्रस्ताव दक्षिणी राज्यों के लिए स्वीकार्य नहीं है। यह देश के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

दिल्ली में मंगलवार को कई ऐक्टिविस्ट्स ने महिला आरक्षण को परिसीमन से अलग करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इसे लोकसभा और विधानसभाओं की मौजूदा सीटों के आधार पर लागू किया जाए। सीनियर वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि परिसीमन को महिला आरक्षण से जोड़कर चुनावी फायदा लेने की कोशिश हो रही है। वहीं, ऐक्टिविस्ट अंजलि भारद्वाज ने कहा कि प्रस्तावित बिलों का ड्राफ्ट अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है, जो सूचना के अधिकार के खिलाफ है।

बिहार के नए 'चौधरी'...

इस्तीफे के बाद उन्होंने X पर लिखा- 'अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।'इधर, 5 देशरत्न मार्ग स्थित सम्राट चौधरी के सरकारी आवास पर लगी नेम प्लेट पर उपमुख्यमंत्री का पद छिपा दिया गया है। राज्यपाल से मिलकर सम्राट चौधरी ने सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान उनके साथ शिवराज और जीतनराम मांझी भी मौजूद रहे।

मंत्री श्रेयसी सिंह ने सम्राट चौधरी के NDA विधायक दल का नेता चुने जाने पर कहा, ₹बहुत ही ऐतिहासिक और भावुक दिन है। हम उम्मीद करते हैं कि नीतीश कुमार के विकास कार्यों को सम्राट चौधरी आगे लेकर जाएंगे।₹ सम्राट चौधरी को नया मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद मुंगेर में उनके घर के बाद परिवार और बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। महिलाओं ने एक दूसरे को अबीर लगाया। वहीं बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जमकर पटाखे फोड़े। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को लड्डू भी खिलाई।

सम्राट बोले- नीतीश...

भारत को सबसे पहले , सबसे श्रेष्ठ मानने का और पार्टी को सबसे आगे खड़ा करने का उस काम को हम लगातार करते रहेंगे, इतना जरूर विश्वास दिलाते हैं। नीतीश कुमार ने बहुत कुछ सिखाया है...नीतीश कुमार ने जिस तरह से समृद्ध बिहार का सपना देखा है हम सब मिलकर बिहार और देश को समृद्ध बनाने का काम करेंगे।₹

अमेरिका बातचीत नहीं...

वहीं, ईरान का कहना है कि वो बिना टोल लिए जहाजों को यहां से गुजरने नहीं देगा। वहीं चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को लेकर कहा कि दुनिया को 'जंगल के कानून' (ताकतवर जो चाहे वो करे) वाले हालत में नहीं जाने देना चाहिए। नियम सब पर बराबर लागू होने चाहिए, न कि अपनी सुविधा के हिसाब से।

इजराइल और लेबनान के राजदूत वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी विदेश मंत्रालय पहुंच गए हैं, जहां दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत होने वाली है। इजराइल के राजदूत येचिएल लेइटर और लेबनान की राजदूत नादा हमादेह इस बैठक में शामिल हो रहे हैं। यह बातचीत अमेरिका की मध्यस्थता में हो रही है।

बताया जा रहा है कि बैठक से पहले अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो दोनों नेताओं से अलग-अलग मुलाकात करेंगे।

यूरोप के कई देशों और ऑस्ट्रेलिया ने लेबनान में लड़ाई रोकने की अपील की है। यह बयान इजराइल और लेबनान के बीच होने वाली बातचीत से पहले आया है। इन देशों ने कहा कि सभी पक्ष मिलकर तनाव कम करें और कोई स्थायी हल निकालें। उन्होंने इजराइल और लेबनान से कहा कि यह अच्छा मौका है, इसे गंवाना नहीं चाहिए। बयान में यह भी कहा गया कि अभी चल रही लड़ाई से हालात और खराब हो सकते हैं। इसलिए सीधी बातचीत जरूरी है, जिससे शांति आ सके। इन देशों ने हिजबुल्लाह और इजराइल दोनों के हमलों की निंदा की। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों पर हमले को भी गलत बताया। अल जजीरा के मुताबिक, ईरान अमेरिका से बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन दोनों में भरोसे की कमी है। ईरानी विदेश मंत्री लगातार अलग-अलग देशों के नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। ईरान के लोगों में भी मिलाजुला माहौल है। कुछ लोग उम्मीद जता रहे हैं कि बातचीत से हालात सुधर सकते हैं, लेकिन कई लोग शांति को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हाल ही में हुए युद्ध का ईरान पर गहरा असर पड़ा है। कई घर, स्कूल और इन्फ्रास्ट्रक्चर को नुकसान हुआ है, जिससे आम लोगों की जिंदगी प्रभावित हुई है।

ट्रम्प ने पीएम मोदी को ...

इस पर ट्रम्प ने कहा कि हम सभी आपसे प्यार करते हैं। सर्जियो गोर ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच होर्मुज की घेराबंदी के मुद्दे पर चर्चा हुई। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले कुछ दिनों और हफ्तों में भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा से जुड़े बड़े समझौते होने की उम्मीद है। गोर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के रिश्ते मजबूत हैं। दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार बढ़ रहा है और कई अहम मुद्दों पर साथ मिलकर काम किया जा रहा है। इससे पहले पीएम मोदी और ट्रम्प के बीच 24 मार्च को फोन पर बात हुई थी। उस बातचीत में दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के हालात पर बात की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत चाहता है कि तनाव कम हो और जल्द से जल्द शांति बहाल हो।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676